SKPF Wincompete Test Series 2026

समय: 3:00 घण्टे | **| अधिकतम अंक: 300**

विषय:

टेस्ट संख्या: [01]

राजस्थान इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकालीन)

अभ्यर्थी का नाम: ________________________________

अनुक्रमांक (Roll No.): ________________________________

परीक्षा केंद्र ________________________________

हस्ताक्षर अभ्यर्थी: ________________________________

हस्ताक्षर वीक्षक: ________________________________

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पुस्तिका में कुल **100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न** हैं। प्रत्येक प्रश्न के **चार विकल्प (A, B, C, D)** दिए गए हैं।
2. प्रत्येक सही उत्तर के लिए **3 अंक** निर्धारित हैं।
3. **नकारात्मक अंकन (Negative Marking):** प्रत्येक गलत उत्तर के लिए **1 अंक** काटा जाएगा।
4. OMR उत्तर पत्रक में **पाँच विकल्प (A, B, C, D, E)**में एक का अंकन करना हैं। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो अनिवार्य रूप से **विकल्प 'E'** को अंकित करें।
5. यदि अभ्यर्थी किसी प्रश्न को हल नहीं करता है और विकल्प 'E' को भी अंकित नहीं करता है, तो उस प्रश्न के लिए भी **1/3 भाग (1 अंक) काटा जाएगा**। (नवीनतम RPSC नियम)
6. कच्चे कार्य (Rough work) के लिए स्थान इस पुस्तिका के अंत में दिया गया है।
7. अपने रोल नम्बर और अन्य विवरण केवल निर्धारित स्थान पर ही लिखें।

wincompete

SKPF WINCOMPETE टेस्ट सीरीज 2026

टेस्ट 01

राजस्थान इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकालीन)

प्रश्न 1:राजस्थान में पुरापाषाण कालीन खोजों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राजस्थान में सर्वप्रथम पुरापाषाण कालीन हस्त-कुठार (Hand-axe) खोजने का श्रेय सी.ए. हैकट को दिया जाता है।
2. हैकट ने ये उपकरण 1870 ई. में जयपुर और इन्द्रगढ़ से प्राप्त किए थे।
3. इन उपकरणों का निर्माण मुख्य रूप से जैस्पर और चर्ट जैसे बारीक पत्थरों से किया गया था।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 2:कथन (A): बागोर (भीलवाड़ा) को राजस्थान के प्रागैतिहासिक इतिहास में 'महासत्यों का टीला' कहा जाता है।

कारण (R): यहाँ से भारत में पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं जो लगभग 5000-4000 ई.पू. के हैं।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 3: ताम्रयुगीन सभ्यताओं के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प असंगत है?

A) गणेश्वर - इसे 'ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी' कहा जाता है।

B) आहड़ - यहाँ से 'लाल और काले' मृदभांड (Black and Red Ware) प्राप्त हुए हैं।

C) कालीबंगा - यहाँ से विश्व के प्राचीनतम जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं।

D) गिलुण्ड - यहाँ के भवनों में आहड़ की भांति केवल पत्थरों का प्रयोग हुआ है।

प्रश्न 4: कथन: गणेश्वर सभ्यता (नीम का थाना) से प्राप्त तांबे के उपकरणों में 99% शुद्ध तांबा पाया गया है और यहाँ से बड़ी मात्रा में मछली पकड़ने के कांटे प्राप्त हुए हैं।*

निष्कर्ष 1: गणेश्वर के लोग तांबा गलाने और उसे शुद्ध करने की उन्नत तकनीक से परिचित थे।

निष्कर्ष 2: कांतली नदी उस समय एक बारहमासी नदी थी और यहाँ की अर्थव्यवस्था में मत्स्य पालन का महत्व था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 5: कालीबंगा सभ्यता की विशिष्टताओं के संदर्भ में दिए गए कथनों का विश्लेषण कीजिए:*

1. यहाँ की नगर योजना में लकड़ी की नालियों का प्रयोग एक अद्वितीय विशेषता है।
2. इस सभ्यता का विनाश भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा के कारण हुआ, इसके स्पष्ट साक्ष्य मिलते हैं।
3. यहाँ से प्राप्त सात अग्नि वेदिकाएँ धार्मिक कर्मकांडों की ओर संकेत करती हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 1 और 3

C) केवल 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 6: कथन (A): लूनी बेसिन के मध्य-पुरापाषाण कालीन उद्योगों को वी.एन. मिश्र ने 'लूनी उद्योग' (Luni Industry) की संज्ञा दी है।*

कारण (R): इस क्षेत्र में प्रयुक्त पत्थर मुख्य रूप से क्वार्टजाइट थे, जिन्होंने उत्तर-पाषाण काल के लिए आधार तैयार किया।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

wincompete

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 7: राजस्थान के ऐतिहासिक स्थलों और उनकी वर्तमान भौगोलिक स्थिति (नवीन जिलों के अनुसार) का कौन सा युग्म असंगत है?*

A) डीडवाना - डीडवाना-कुचामन

B) तिलवाड़ा - बालोतरा

C) गणेश्वर - सीकर

D) सुनारी - नीम का थाना

प्रश्न 8: कथन: आहड़ सभ्यता (उदयपुर) से प्राप्त बड़े मृदभांडों (गोरे व कोठे) का प्रयोग अनाज संग्रहण के लिए किया जाता था और यहाँ तांबा गलाने की भट्टियाँ मिली हैं।*

निष्कर्ष 1: आहड़ एक कृषि-प्रधान समाज था जहाँ अधिशेष अनाज के भंडारण की व्यवस्था थी।

निष्कर्ष 2: आहड़ के निवासी व्यापारिक स्तर पर तांबे के उपकरणों का निर्माण और निर्यात करते थे।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) न तो 1 और न ही 2 निकलता है।

प्रश्न 9: ताम्रपाषाणिक स्थलों के सांस्कृतिक साक्ष्यों के बारे में विचार कीजिए:*

1. बालाथल (उदयपुर) से 11 कमरों वाला विशाल भवन और बुना हुआ कपड़ा प्राप्त हुआ है।
2. ओझियाणा (भीलवाड़ा) कोठारी नदी के किनारे स्थित एक महत्वपूर्ण ताम्रयुगीन स्थल है।
3. आहड़ के निवासी अपने मृतकों को कपड़ों और आभूषणों के साथ दफनाते थे।

सही कूट चुनें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 10: कथन (A): कालीबंगा को 'सिंधु घाटी साम्राज्य की तीसरी राजधानी' कहा जाता है।*

कारण (R): यहाँ से प्राप्त 'दोहरा परकोटा' और द्वि-स्तरीय नगर नियोजन इसे हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के समकक्ष प्रशासनिक महत्व प्रदान करता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 11: पाषाण कालीन उपकरणों और उनकी विशेषताओं के संबंध में कौन सा कथन असंगत है?*

A) निम्न पुरापाषाण काल - कुल्हाड़े, गंडासे और खंडक (क्वार्टजाइट पत्थर)।

B) मध्य पुरापाषाण काल - जैस्पर, चर्ट और फ्लिंट का प्रयोग।

C) उच्च पुरापाषाण काल - सूक्ष्म और धारदार ब्लेड उपकरणों की प्रधानता।

D) मध्यपाषाण काल - भारी पत्थरों के बड़े औजारों का प्रयोग।

प्रश्न 12: कथन: डीडवाना के समीप 'सिंगी तालाब' से राजस्थान के प्राचीनतम पुरापाषाण कालीन अवशेष प्राप्त हुए हैं।*

निष्कर्ष 1: डीडवाना क्षेत्र राजस्थान में मानव सभ्यता के सबसे प्रारंभिक बसावट वाले केंद्रों में से एक है।

निष्कर्ष 2: सिंगी तालाब के निवासी धातु विज्ञान की प्रारंभिक अवस्था से परिचित थे।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 13: आहड़ (ताम्रवती नगरी) के मृदभांडों के संबंध में **सत्य कथन** पहचानिए:*

1. यहाँ 'लाल-काले' मृदभांडों को पकाने के लिए 'उल्टी तपाई' पद्धति का प्रयोग किया जाता था।
2. इन मृदभांडों पर सफेद रंग के ज्यामितीय डिजाइन उकेरे जाते थे।
3. आहड़ के मृदभांडों की तुलना में कालीबंगा के मृदभांड अधिक पतले और हल्के थे।

A) केवल 1

wincompete

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 14: कथन (A): गणेश्वर को 'ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी' माना जाता है।*

कारण (R): यहाँ से सिंधु घाटी सभ्यता के केंद्रों (हड़प्पा और मोहनजोदड़ो) को तांबे की आपूर्ति की जाती थी।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 15: सिंधु-सरस्वती सभ्यता के केंद्रों के पुरातात्विक साक्ष्यों के संदर्भ में गलत विकल्प चुनिए:*

1. कालीबंगा - ऊँट की अस्थियों के साक्ष्य।
2. कालीबंगा - एक साथ दो फसलें (गेहूँ-जौ) उगाने के साक्ष्य।
3. कालीबंगा - स्वास्तिक चिह्न के साक्ष्य।
4. कालीबंगा - लोहे के बने कृषि उपकरण।

A) केवल 1

B) केवल 2

C) केवल 4

D) 1, 2 और 4

प्रश्न 16: कथन: राजस्थान के प्रागैतिहासिक स्थलों जैसे बागोर और तिलवाड़ा से सूक्ष्म पाषाण उपकरणों के साथ-साथ पशुपालन के साक्ष्य मिले हैं।*

निष्कर्ष 1: राजस्थान में मध्यपाषाण काल 'शिकारी-संग्राहक' से 'पशुपालक-उत्पादक' के संक्रमण का काल था।

निष्कर्ष 2: इन स्थलों के लोग केवल मांस पर निर्भर न रहकर दुग्ध उत्पादों का भी प्रयोग करने लगे थे।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 17: गिलुण्ड (राजसमंद) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:*

1. यह बनास संस्कृति से संबंधित एक महत्वपूर्ण ताम्रपाषाणिक स्थल है।
2. यहाँ से पकी हुई ईंटों के साक्ष्य मिले हैं, जो बनास संस्कृति के अन्य केंद्रों में दुर्लभ हैं।
3. यहाँ के मृदभांडों पर भूरे रंग के चित्रण की प्रधानता है।

A) केवल 1

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 18: कथन (A): आहड़ को 'बनास संस्कृति' के नाम से भी जाना जाता है।*

कारण (R): आहड़ सभ्यता का विस्तार बनास और उसकी सहायक नदियों की घाटियों में अधिक पाया गया है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 19: पुरातात्विक उत्खननकर्ताओं के संबंध में कौन सा मिलान **गलत** है?*

A) कालीबंगा - अमलानंद घोष

B) आहड़ - अक्षय कीर्ति व्यास

C) बागोर - वीरेंद्र नाथ मिश्र

D) गणेश्वर - अमलानंद घोष

प्रश्न 20: कथन: राजस्थान के प्रागैतिहासिक स्थलों पर जलवायु परिवर्तन के प्रमाण मिलते हैं, विशेषकर सरस्वती नदी के मार्ग परिवर्तन और सूखने के संदर्भ में।*

निष्कर्ष 1: कालीबंगा जैसी उन्नत सभ्यताओं के पतन में पारिस्थितिक असंतुलन एक प्रमुख कारक रहा होगा।

निष्कर्ष 2: राजस्थान का मरुस्थलीकरण एक अत्यंत नवीन घटना है जिसका प्रागैतिहासिक मानव बस्तियों से कोई संबंध नहीं है।

wincompete

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) न तो 1 और न ही 2 निकलता है।

प्रश्न 21: बैराठ (विराट नगर) से प्राप्त 'भाब्रू शिलालेख' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:*

1. इसकी खोज 1837 ई. में कैप्टन बर्ट द्वारा 'बीजक की पहाड़ी' से की गई थी।
2. इस शिलालेख में अशोक ने स्वयं को 'मगध का राजा' (पियदसी लाजा मागधे) संबोधित किया है।
3. यह शिलालेख वर्तमान में जयपुर के अल्बर्ट हॉल संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है। सही कूट का चयन करें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 22: कथन (A): टोंक जिले में स्थित रैढ़ को 'प्राचीन भारत का टाटा नगर' कहा जाता है।*

कारण (R): यहाँ से लोहे के उपकरणों का विशाल भंडार और 3075 चांदी के आहत (Punch-marked) सिक्के प्राप्त हुए हैं।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A और R दोनों असत्य हैं।

प्रश्न 23: राजस्थान के ऐतिहासिक केंद्रों और उनसे संबंधित साक्ष्यों का कौन सा युग्म **असंगत** है?*

A) नगरी (चित्तौड़गढ़) - शिबि जनपद के सिक्के और घोसुण्डी शिलालेख।

B) नोह (भरतपुर) - कुषाण कालीन विशालकाय 'यक्ष' (जाख बाबा) की मूर्ति।

C) सुनारी (नीम का थाना) - लोहे गलाने की प्राचीनतम भट्टियाँ।

D) नलियासर (सांभर) - मौर्य कालीन बौद्ध स्तूप और शंख लिपि के साक्ष्य।

प्रश्न 24: कथन: चीनी यात्री ह्वेनसांग ने बैराठ (विराट नगर) की यात्रा के दौरान यहाँ 8 बौद्ध मठों की उपस्थिति का उल्लेख किया था, जिन्हें बाद में हूण शासक मिहिरकुल ने नष्ट कर दिया।*

निष्कर्ष 1: प्रारंभिक ईस्वी काल में बैराठ राजस्थान में बौद्ध धर्म और संस्कृति का एक समृद्ध केंद्र था।

निष्कर्ष 2: हूणों के आक्रमण राजस्थान में बौद्ध धर्म के पतन का एक प्रमुख कारण रहे।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 25: राजस्थान के जनपदीय केंद्रों के संदर्भ में दिए गए कथनों का विश्लेषण कीजिए:*

1. 'नगर' (कर्कोट नगर) टोंक जिले में स्थित मालव जनपद की राजधानी थी।
2. मध्यमिका (नगरी) प्राचीन शिबि जनपद का मुख्य केंद्र था जहाँ से 'मझमिकाय' अंकित सिक्के मिले हैं।
3. ये जनपद पूर्णतः राजतंत्रीय व्यवस्था पर आधारित थे और इनमें विदेशी आक्रमणों का प्रतिरोध नहीं किया गया।

सही विकल्प चुनें:

A) केवल 1

B) केवल 2

C) केवल 1 और 2

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 26: कथन (A): चित्तौड़गढ़ के निकट घोसुण्डी से प्राप्त दूसरी शताब्दी ई.पू. का शिलालेख राजस्थान के धार्मिक इतिहास में मील का पत्थर है।*

कारण (R): यह शिलालेख राजस्थान में 'वैष्णव (भागवत) संप्रदाय' से संबंधित प्राचीनतम अभिलेखीय प्रमाण प्रस्तुत करता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

wincompete

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 27: ऐतिहासिक स्थलों और उनके उत्खननकर्ताओं के संबंध में कौन सा विकल्प **असंगत** है?*

A) बैराठ - दयाराम साहनी

B) रैढ़ - के.एन. पुरी (केदारनाथ पुरी)

C) मध्यमिया (नगरी) - डॉ. डी.आर. भण्डारकर

D) भीनमाल - अमलानंद घोष

प्रश्न 28: कथन: बैराठ की 'बीजक की पहाड़ी' से भारत के प्राचीनतम गोलाकार बौद्ध मंदिर (चैत्य) के अवशेष और मौर्य कालीन ईंटों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।*

निष्कर्ष 1: मौर्य सम्राट अशोक के काल में राजस्थान की स्थापत्य कला पर बौद्ध प्रभाव स्पष्ट रूप से झलकता था।

निष्कर्ष 2: यह गोलाकार मंदिर भारत में मंदिर वास्तुकला के प्रारंभिक स्वरूपों में से एक है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) न तो 1 और न ही 2 निकलता है।

प्रश्न 29: राजस्थान के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों की वर्तमान भौगोलिक स्थिति (नवीन जिलों के अनुसार) पर विचार कीजिए:*

1. बैराठ (विराट नगर) वर्तमान में कोटपूतली-बहरोड़ जिले के अंतर्गत आता है।
2. नलियासर (सांभर) अब जयपुर ग्रामीण जिले का हिस्सा है।
3. सुनारी (लोहयुगीन स्थल) वर्तमान में सीकर जिले में स्थित है।

सही कूट चुनें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 30: कथन (A): रैढ़ (टोंक) में आलीशान प्राचीन भवनों में 'रिंग वेल्स' (घेरादार कुएं) की उपस्थिति पाई गई है।*

कारण (R): यह साक्ष्य इस स्थल की उन्नत नगरीय व्यवस्था और जल प्रबंधन प्रणाली की ओर संकेत करता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A और R दोनों असत्य हैं।

प्रश्न 31: राजस्थान के ऐतिहासिक केंद्रों की विशेषताओं के संदर्भ में कौन सा कथन **असंगत** है?*

A) नोह (भरतपुर) से मौर्य, शुंग और कुषाण काल के क्रमिक अवशेष प्राप्त हुए हैं।

B) भीनमाल को चीनी यात्री ह्वेनसांग ने 'पी-लो-मो-लो' के नाम से संबोधित किया था।

C) बैराठ से प्राप्त 'शंख लिपि' को आधुनिक इतिहासकारों ने सफलतापूर्वक पढ़ लिया है।

D) नगर (टोंक) से मालव जनपद के सिक्कों पर 'मालवानां जयः' का अंकन मिलता है।

प्रश्न 32: कथन: टोंक जिले के 'नगर' और 'रैढ़' केंद्रों से मालव जनपद के हजारों सिक्के और लोहे के अस्त्र-शस्त्र प्राप्त हुए हैं।*

निष्कर्ष 1: मालव जनपद एक शक्तिशाली और आर्थिक रूप से संपन्न गणराज्य था।

निष्कर्ष 2: यह क्षेत्र प्राचीन काल में मालव गणराज्य का सैन्य और व्यापारिक गढ़ रहा होगा।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 33: ऐतिहासिक केंद्र 'नलियासर' (सांभर) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से तथ्य सही हैं?*

1. यहाँ के उत्खनन में कुषाण शासक हुविष्क के सिक्के प्राप्त हुए हैं।
2. यहाँ गुप्तकालीन मृण्मूर्तियाँ और चौहान युग के पूर्व की बस्तियों के साक्ष्य मिले हैं।
3. दयाराम साहनी और कर्नल हेंडले इसके उत्खनन से संबंधित रहे हैं।

wincompete

सही विकल्प है:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 34: कथन (A): बैराठ (विराट नगर) प्राचीन मत्स्य जनपद की राजधानी था, जिसका उल्लेख महाभारत में भी मिलता है।*

कारण (R): मत्स्य जनपद के शासक विराट ने पांडवों को उनके अज्ञातवास के दौरान शरण दी थी।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 35: राजस्थान की जनपदीय व्यवस्था और विदेशी आक्रमणों के संबंध में कौन सा कथन **असंगत** है?*

A) मालव जनपद ने शक और कुषाण जैसे विदेशी आक्रांताओं का कड़ा प्रतिरोध किया था।

B) मध्यमिका (नगरी) के माध्यम से राजस्थान दक्षिण भारत और गुजरात के व्यापारिक मार्गों से जुड़ा था।

C) यौधेय गणराज्य ने उत्तरी राजस्थान से कुषाण शक्ति को नष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

D) मौर्य काल के तुरंत बाद राजस्थान में पूर्णतः केंद्रीय शासन व्यवस्था स्थापित हो गई थी।

प्रश्न 36: कथन: सम्राट अशोक के भाब्रू शिलालेख में बुद्ध, धम्म और संघ के प्रति अटूट आस्था व्यक्त की गई है।*

निष्कर्ष 1: अशोक का झुकाव व्यक्तिगत रूप से बौद्ध धर्म की ओर था।

निष्कर्ष 2: मौर्य काल के दौरान राजस्थान के बैराठ क्षेत्र में बौद्ध धम्म का प्रचार-प्रसार चरम पर था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 37: राजस्थान के ऐतिहासिक केंद्रों के तुलनात्मक अध्ययन के संदर्भ में **सत्य कथनों** की पहचान कीजिए:*

1. बैराठ जहाँ धार्मिक (बौद्ध) केंद्र के रूप में प्रसिद्ध था, वहीं रैढ़ एक व्यापारिक और औद्योगिक केंद्र था।
2. सुनारी (नीम का थाना) और रैढ़ (टोंक) दोनों ही लोहयुगीन संस्कृति के प्रमुख केंद्र रहे हैं।
3. भीनमाल (जालौर) गुप्तोत्तर काल में एक महान साहित्यिक और व्यापारिक नगरी के रूप में उभरी।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 38: कथन (A): राजस्थान के प्राचीन जनपदीय सिक्के ऐतिहासिक जानकारी के महत्वपूर्ण स्रोत हैं।*

कारण (R): इन सिक्कों पर राजाओं के नाम के साथ-साथ गणराज्य की विजय (जैसे 'मालवानां जयः') का उल्लेख मिलता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 39: प्राचीन ऐतिहासिक स्थलों की वर्तमान स्थिति और उनके उपनामों के संदर्भ में **असंगत** विकल्प चुनिए:*

A) रैढ़ - प्राचीन भारत का टाटा नगर

B) बैराठ - मौर्य कालीन बौद्ध संस्कृति का केंद्र

C) भीनमाल - श्रीमाल (कवि माघ की जन्मभूमि)

D) सुनारी - शिबि जनपद की राजधानी

प्रश्न 40: कथन: ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार मौर्य काल के बाद राजस्थान में मालव, यौधेय और शिबि जैसे गणराज्यों का पुनरुत्थान हुआ।*

निष्कर्ष 1: राजस्थान के स्थानीय जनपदों ने मौर्यों के पतन के बाद अपनी स्वायत्तता पुनः प्राप्त कर ली थी।

wincompete

निष्कर्ष 2: ये गणराज्य विदेशी शक्तियों के विरुद्ध भारतीय संस्कृति के रक्षक के रूप में उभरे।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) न तो 1 और न ही 2 निकलता है।

प्रश्न 41: मेवाड़ के शासक बप्पा रावल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:*

1. बप्पा रावल ने 734 ई. में अपने गुरु हारीत राशि के आशीर्वाद से चित्तौड़ के शासक मानमोरी को पराजित कर अधिकार किया था।
2. बप्पा रावल ने नागदा को अपनी राजधानी बनाया और वहाँ एकलिंगजी (लकुलीश) के मंदिर का निर्माण करवाया।
3. मेवाड़ में सर्वप्रथम सोने के सिक्के चलाने का श्रेय बप्पा रावल को जाता है, जिनका वजन 115 ग्रेन था।

सही कूट चुनें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 42: कथन (A): मेवाड़ के शासक अल्लट (आलू रावल) को मेवाड़ में नौकरशाही (Bureaucracy) का जनक माना जाता है।*

कारण (R): अल्लट ने आहड़ को अपनी दूसरी राजधानी बनाया और हूण राजकुमारी हरिया देवी से विवाह कर विदेशी संबंध स्थापित किए।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 43: गुर्जर-प्रतिहार शासकों और उनकी उपाधियों/विशेषताओं के संबंध में कौन सा विकल्प **असंगत** है?*

A) नागभट्ट प्रथम - ग्वालियर प्रशस्ति में 'म्लेच्छों का नाशक' कहा गया।

B) वत्सराज - इसे प्रतिहारों का 'वास्तविक संस्थापक' और 'रणहस्तिन' कहा जाता है।

C) मिहिर भोज - 'आदिवराह' और 'प्रभास' की उपाधियाँ धारण कीं।

D) नागभट्ट द्वितीय - अरब यात्री सुलेमान ने इसे 'इस्लाम का सबसे बड़ा शत्रु' कहा।

प्रश्न 44: कथन: 1227 ई. में हुए भूताला के युद्ध में जैत्रसिंह ने दिल्ली के सुल्तान इल्तुतमिश को पराजित किया, लेकिन इल्तुतमिश की सेना ने मेवाड़ की तत्कालीन राजधानी नागदा को तहस-नहस कर दिया।*

निष्कर्ष 1: जैत्रसिंह ने सामरिक दृष्टि से सुरक्षित स्थान की आवश्यकता के कारण चित्तौड़ को नई राजधानी बनाया।

निष्कर्ष 2: भूताला के युद्ध के बाद मेवाड़ और दिल्ली सल्तनत के बीच स्थाई शांति संधि हो गई थी।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 45: गुर्जर-प्रतिहार कालीन त्रिपक्षीय संघर्ष (Tripartite Struggle) के संदर्भ में **सत्य कथनों** का चयन कीजिए:*

1. यह संघर्ष कन्नौज पर आधिपत्य स्थापित करने के लिए प्रतिहार, पाल और राष्ट्रकूट राजवंशों के मध्य लगभग 100 वर्षों तक चला।
2. प्रतिहार शासक वत्सराज ने इस संघर्ष की शुरुआत की थी।
3. अंततः राष्ट्रकूट शासक ध्रुव ने इस संघर्ष में विजय प्राप्त कर कन्नौज को अपनी स्थाई राजधानी बनाया।

सही कूट चुनें:

A) केवल 1

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 46: कथन (A): प्रतिहार शासक मिहिर भोज के शासनकाल को प्रतिहार साम्राज्य का 'चरम उत्कर्ष काल' माना जाता है।*

कारण (R): मिहिर भोज ने कन्नौज को अपनी शक्ति का मुख्य केंद्र बनाया और अरबों के विस्तार को प्रभावी ढंग से रोका।

wincompete

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 47: गुहिल राजवंश की उत्पत्ति के सिद्धांतों के संबंध में कौन सा मिलान **असंगत** है?*

A) अबुल फजल - ईरान के बादशाह नोशेखां आदिल के वंशज।

B) कर्नल जेम्स टॉड - वल्लभी के शासक शिलादित्य के वंशज।

C) डॉ. गोपीनाथ शर्मा - विप्र (ब्राह्मण) वंश की संतान।

D) मुहणोत नैणसी - सूर्यवंशी क्षत्रिय होने का खंडन किया।

प्रश्न 48: कथन: नागभट्ट द्वितीय ने 816 ई. में कन्नौज के शासक चक्रायुध को पराजित किया और कन्नौज को प्रतिहारों की स्थाई राजधानी के रूप में स्थापित किया।*

निष्कर्ष 1: नागभट्ट द्वितीय के काल में प्रतिहारों का प्रभाव उत्तर भारत की राजनीति में केंद्रीय शक्ति के रूप में स्थापित हुआ।

निष्कर्ष 2: इस विजय के बाद प्रतिहारों ने गंगा-यमुना दोआब के समृद्ध संसाधनों पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 49: गुर्जर-प्रतिहार शैली (महामारु शैली) के स्थापत्य के संदर्भ में कौन से कथन सत्य हैं?*

1. ओसियां (जोधपुर) के सूर्य मंदिर और हरिहर मंदिर इस शैली के उत्कृष्ट उदाहरण हैं।
2. आभानेरी (दौसा) की चाँद बावड़ी और हर्षत माता का मंदिर प्रतिहार कालीन स्थापत्य को दर्शाते हैं।
3. इस शैली का विकास मुख्यतः 8वीं से 12वीं शताब्दी के मध्य राजस्थान में हुआ।

सही कूट चुनें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 50: कथन (A): 1303 ई. में चित्तौड़ के प्रथम साके के साथ ही गुहिल वंश की 'रावल' शाखा का अंत हो गया।*

कारण (R): अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़ को जीतकर इसका नाम बदलकर 'खिज्राबाद' रख दिया और अपने पुत्र खिज्र खां को यहाँ का शासक नियुक्त किया।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 51: गुर्जर-प्रतिहारों की प्रशासनिक शब्दावली के संबंध में कौन सा विकल्प **असंगत** है?*

A) महासामंत - राजा के अधीन सबसे बड़ा सैन्य अधिकारी।

B) बलाधिकृत - सेना का मुख्य अधिकारी।

C) दाण्डपाशिक - पुलिस विभाग का सर्वोच्च अधिकारी।

D) उपरिक - गाँव का सबसे छोटा प्रशासनिक अधिकारी।

प्रश्न 52: कथन: वत्सराज के दरबार में उद्योतन सूरी ने 'कुवलयमाला' और जिनसेन सूरी ने 'हरिवंश पुराण' जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की थी।*

निष्कर्ष 1: वत्सराज के शासनकाल में साहित्य और विद्वानों को राजकीय संरक्षण प्राप्त था।

निष्कर्ष 2: 8वीं शताब्दी के दौरान राजस्थान में जैन साहित्य का महत्वपूर्ण विकास हुआ।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) न तो 1 और न ही 2 निकलता है।

प्रश्न 53: चित्तौड़ के शासक रावल रतन सिंह के संबंध में निम्नलिखित तथ्यों का विश्लेषण कीजिए:*

1. रतन सिंह ने केवल एक वर्ष (1302-1303 ई.) तक शासन किया।

wincompete

2. मलिक मुहम्मद जायसी के ग्रंथ 'पद्मावत' में रतन सिंह और पद्मिनी की कथा का विस्तृत वर्णन मिलता है।
3. रतन सिंह के सेनापति गोरा और बादल अलाउद्दीन खिलजी के विरुद्ध लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए।

सही विकल्प है:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 54: कथन (A): गुहिल वंश के शासक स्वयं को 'एकलिंगजी का दीवान' मानते थे।*

कारण (R): मेवाड़ के शासक एकलिंगजी (शिव) को ही मेवाड़ का वास्तविक राजा मानते थे और स्वयं उनके प्रतिनिधि के रूप में शासन करते थे।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 55: प्रतिहारों की मण्डोर शाखा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन **असंगत** है?*

A) इस शाखा का संस्थापक हरिश्चंद्र (रोहिल्लधि) था।

B) नागभट्ट प्रथम ने अपनी राजधानी मण्डोर से मेड़ता स्थानांतरित की थी।

C) मण्डोर के प्रतिहारों ने कभी भी मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं की।

D) बाउक और कक्कुका इस शाखा के प्रतापी शासक थे जिन्होंने शिलालेख उत्कीर्ण करवाए।

प्रश्न 56: कथन: प्रतिहारों को 'द्वारपाल' (Pratihara) कहा जाता है क्योंकि उन्होंने सदियों तक उत्तर-पश्चिमी सीमा से होने वाले विदेशी आक्रमणों (विशेषकर अरबों) को रोका था।*

निष्कर्ष 1: प्रतिहार वंश ने भारत के सांस्कृतिक संरक्षण में एक सुरक्षा दीवार की भूमिका निभाई।

निष्कर्ष 2: यदि प्रतिहार शक्ति कमजोर होती, तो भारत में मुस्लिम सत्ता का आगमन और पहले हो सकता था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 57: मेवाड़ के गुहिल शासकों की राजधानियों का सही **ऐतिहासिक क्रम** क्या है?*

1. नागदा (बप्पा रावल)
2. आहड़ (अल्लट)
3. चित्तौड़गढ़ (जैत्रसिंह)
4. उदयपुर (उदयसिंह)

A) 1, 2, 3, 4

B) 1, 3, 2, 4

C) 2, 1, 3, 4

D) 3, 1, 2, 4

प्रश्न 58: कथन (A): डॉ. दशरथ शर्मा ने जैत्रसिंह के शासनकाल को 'मध्यकालीन मेवाड़ का स्वर्णकाल' माना है।*

कारण (R): जैत्रसिंह ने न केवल इल्तुतमिश को हराया बल्कि मालवा, गुजरात और जालोर के शासकों को भी पराजित कर मेवाड़ की प्रतिष्ठा बढ़ाई।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 59: गुर्जर-प्रतिहारों के पतन के कारकों के संदर्भ में **असंगत** विकल्प का चयन करें:*

A) राष्ट्रकूटों के निरंतर आक्रमणों ने प्रतिहार शक्ति को कमजोर कर दिया।

B) प्रतिहारों के सामंतों (जैसे चंदेल और परमार) ने अपनी स्वतंत्रता घोषित कर दी।

C) 1018 ई. में महमूद गजनवी के आक्रमण के समय राज्यपाल (Rajyapala) बिना लड़े ही भाग गया।

D) प्रतिहारों ने अपनी सैन्य व्यवस्था में केवल पैदल सैनिकों को महत्व दिया और घोड़ों की उपेक्षा की।

wincompete

प्रश्न 60: कथन: ग्वालियर प्रशस्ति में प्रतिहारों को 'लक्ष्मण का वंशज' बताया गया है, जो भगवान राम के प्रतिहार (द्वारपाल) थे।*

निष्कर्ष 1: प्रतिहार शासक अपनी वंशावली को सूर्यवंशी राम के परिवार से जोड़कर स्वयं को क्षत्रिय सिद्ध करना चाहते थे।

निष्कर्ष 2: मध्यकालीन भारत में राजवंशों द्वारा अपनी उत्पत्ति को पौराणिक पात्रों से जोड़ना एक सामान्य परंपरा थी।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) न तो 1 और न ही 2 निकलता है।

प्रश्न 61: पृथ्वीराज चौहान III के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:*

1. पृथ्वीराज रासो के अनुसार इनकी उत्पत्ति आबू पर्वत के अग्निकुंड से हुई है।
2. बिजोलिया शिलालेख (1170 ई.) इन्हें 'वत्सगोत्रीय ब्राह्मण' बताता है।
3. इनके दरबार में 'पृथ्वीराज विजय' के रचयिता जयानक और 'पृथ्वीराज रासो' के लेखक चंद्रबरदाई प्रमुख विद्वान थे।

उपरोक्त में से कौन सा/से **कथन सत्य है/हैं?**

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 62: कथन (A): अजमेर स्थित 'अढाई दिन का झोंपड़ा' मूल रूप से एक संस्कृत पाठशाला थी।*

कारण (R): विग्रहराज IV (बीसलदेव) ने यहाँ एक सरस्वती कंठाभरण नामक विद्यालय बनवाया था जिसे बाद में कुतुबुद्दीन ऐबक ने मस्जिद में बदल दिया।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 63: चौहान राजवंश के केंद्रों की वर्तमान भौगोलिक स्थिति (नवीन जिलों के अनुसार) के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है?*

A) बैराठ - कोटपूतली-बहरोड़

B) जालौर दुर्ग - सांचौर

C) रणथंभौर - सवाई माधोपुर

D) सांभर - जयपुर ग्रामीण

प्रश्न 64: कथन: तराइन के द्वितीय युद्ध (1192 ई.) में पृथ्वीराज चौहान III की पराजय के बाद भारत में मुस्लिम शासन का मार्ग प्रशस्त हुआ।*

निष्कर्ष 1: इस युद्ध ने उत्तर भारत में चौहानों की केंद्रीय राजनैतिक सत्ता को समाप्त कर दिया।

निष्कर्ष 2: पृथ्वीराज की पराजय का मुख्य कारण उनके पड़ोसी राजपूत राज्यों (जैसे जयचंद गढ़वाल) से वैमनस्य था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 65: रणथंभौर के शासक हम्मीर देव चौहान के संदर्भ में सत्य कथनों का चयन कीजिए:*

1. हम्मीर ने अलाउद्दीन खिलजी के विद्रोही मंगोल सेनापति मुहम्मद शाह को शरण दी थी।
2. इनके काल में 1301 ई. में रणथंभौर का युद्ध हुआ, जिसमें राजस्थान का प्रथम साका हुआ।
3. हम्मीर ने अपने जीवन में कुल 17 युद्ध लड़े, जिनमें से 16 में वे विजयी रहे।

सही विकल्प है:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 66: कथन (A): जालौर के शासक कान्हड़देव चौहान ने अलाउद्दीन खिलजी की सेना को अपनी सीमा से गुजरने की अनुमति नहीं दी थी।*

wincompete

कारण (R): खिलजी की सेना गुजरात अभियान (सोमनाथ मंदिर लूट) के लिए जा रही थी और कान्हड़देव धार्मिक कारणों से इसके विरुद्ध थे।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 67: परमार राजवंश की शाखाओं और उनके महत्वपूर्ण शासकों/विशेषताओं का कौन सा मेल **गलत** है?*

A) आबू के परमार - संस्थापक धूमराज।

B) वागड़ के परमार - राजधानी अर्थूणा।

C) जालौर के परमार - प्रसिद्ध शासक धारावर्ष।

D) मालवा के परमार - राजा भोज (चित्तौड़ में मंदिर निर्माता)।

प्रश्न 68: कथन: आबू के परमार शासक धारावर्ष परमार को 'शब्दभेदी बाण' चलाने में निपुण माना जाता था और उन्होंने तुर्कों के विरुद्ध युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।*

निष्कर्ष 1: परमार शासक केवल सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर सैन्य कला में भी दक्ष थे।

निष्कर्ष 2: आबू क्षेत्र मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध एक प्रमुख रक्षात्मक चौकी था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) न तो 1 और न ही 2 निकलता है।

प्रश्न 69: चौहान शासक विग्रहराज IV (बीसलदेव) की सांस्कृतिक उपलब्धियों के बारे में विचार कीजिए:*

1. इन्होंने प्रसिद्ध 'हरिकेली' नाटक की रचना की, जिसकी पंक्तियाँ अढाई दिन के झोंपड़े की दीवारों पर उत्कीर्ण हैं।
2. इनके काल को 'सपादलक्ष के चौहानों का स्वर्णकाल' कहा जाता है।
3. इन्होंने बीसलपुर बाँध और बीसलपुर नगर (टोंक) की स्थापना की थी।

सही कूट का चयन कीजिये।

A) केवल 1

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 70: कथन (A): 1311 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने जालौर को जीतकर उसका नाम बदलकर 'जलालाबाद' रख दिया था।*

कारण (R): जालौर के किलेदार दहिया बीका के विश्वासघात के कारण दुर्ग की गुप्त सूचनाएं खिलजी को मिल गई थीं।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 71: चौहानों की विभिन्न शाखाओं और उनके संस्थापकों के संदर्भ में कौन सा कथन असंगत है?*

A) सांभर (शाकम्भरी) - वासुदेव चौहान (551 ई.)

B) अजमेर - अजयराज (1113 ई.)

C) रणथंभौर - गोविंदराज (पृथ्वीराज III का पुत्र)

D) जालौर - कान्हड़देव चौहान

प्रश्न 72: कथन: विख्यात उक्ति "सिंह सवन सत्पुरुष वचन, कदली फलत इक बार। तिरिया तेल हम्मीर हठ, चढ़े न दूजी बार॥" हम्मीर देव चौहान के हठ और शरणागत वत्सलता को दर्शाती है।*

निष्कर्ष 1: हम्मीर देव ने अपने सिद्धांतों और शरणागत की रक्षा के लिए अपने संपूर्ण राज्य का बलिदान कर दिया।

निष्कर्ष 2: यह उक्ति रणथंभौर के चौहानों की नैतिक दृढ़ता का ऐतिहासिक प्रमाण है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

wincompete

प्रश्न 73: आबू के दिलवाड़ा जैन मंदिरों के निर्माण के संदर्भ में **सत्य कथनों** की पहचान कीजिए:*

1. इन मंदिरों का निर्माण मुख्य रूप से परमार काल के दौरान उनके मंत्रियों और सामंतों द्वारा करवाया गया।
2. विमल शाह ने 1031 ई. में यहाँ 'विमल वसही' (आदिनाथ मंदिर) का निर्माण करवाया।
3. वस्तुपाल और तेजपाल ने यहाँ 'लूण वसही' (नेमिनाथ मंदिर) का निर्माण करवाया।

A) केवल 1

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 74: कथन (A): तराइन के प्रथम युद्ध (1191 ई.) में मुहम्मद गौरी पराजित होकर भाग गया था।*

कारण (R): पृथ्वीराज चौहान III की सैन्य व्यूहरचना और राजपूती शौर्य के आगे गौरी की सेना टिक नहीं पाई।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 75: चौहान शासकों की उपाधियों के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है?*

A) पृथ्वीराज चौहान III - राय पिथौरा

B) विग्रहराज IV - कवि बांधव (कटि बन्धु)

C) हम्मीर देव चौहान - विषम घाटी पंचानन

D) पृथ्वीराज चौहान III - दल पुंगल

प्रश्न 76: कथन: अजमेर के चौहान शासक अजयराज ने 'अजयप्रिय द्रम्म' नामक चांदी के सिक्के चलाए, जिन पर उनकी रानी सोमलेखा (सोमलदेवी) का नाम अंकित था।*

निष्कर्ष 1: चौहान काल में महिलाओं की स्थिति सम्मानजनक थी और वे राजकाज में प्रभाव रखती थीं।

निष्कर्ष 2: अजयराज के शासनकाल में अजमेर एक सुदृढ़ आर्थिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) न तो 1 और न ही 2 निकलता है।

प्रश्न 77: परमार शासक राजा भोज (मालवा) के राजस्थान से संबंध के बारे में विचार करें:*

1. राजा भोज ने चित्तौड़गढ़ दुर्ग में 'त्रिभुवन नारायण मंदिर' (वर्तमान समीधेश्वर मंदिर) बनवाया था।
2. भोज ने अजमेर के निकट सरस्वती कंठाभरण नामक पाठशाला की स्थापना की थी।
3. 'पृथ्वी परमारों की है' यह प्रसिद्ध आदर्श वाक्य इन्हीं के काल में प्रचलित हुआ।

कौनसा/से **कथन सही** है.

A) केवल 1

B) केवल 1 और 3

C) केवल 2 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 78: कथन (A): बिजोलिया शिलालेख (1170 ई.) चौहान वंश के प्रारंभिक इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है।*

कारण (R): यह शिलालेख चौहानों को 'वत्सगोत्रीय ब्राह्मण' बताता है और प्राचीन राजस्थान के विभिन्न नगरों के नाम (जैसे जबलपुर, शाकम्भरी) प्रदान करता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 79: तराइन के युद्धों के प्रत्यक्षदर्शी विवरण और स्रोतों के बारे में कौन सा कथन **असंगत** है?*

A) 'पृथ्वीराज रासो' - चंद्रबरदाई द्वारा रचित।

B) 'पृथ्वीराज विजय' - जयानक द्वारा रचित।

C) 'ताज-उल-मासिर' - हसन निजामी द्वारा रचित।

D) 'कुवलयमाला' - अमीर खुसरो द्वारा रचित।

wincompete

प्रश्न 80: कथन: कान्हड़देव प्रबंध (पद्मनाभ द्वारा रचित) के अनुसार जालौर दुर्ग के पतन में दहिया राजपूत बीका की पत्नी ने अपने पति की हत्या कर उसकी गद्दारी की सूचना कान्हड़देव को दी थी।*

निष्कर्ष 1: राजपूती परंपरा में राष्ट्रभक्ति और स्वामी भक्ति को परिवार के ऊपर स्थान दिया जाता था।

निष्कर्ष 2: जालौर का पतन केवल सैन्य कमजोरी से नहीं बल्कि आंतरिक विश्वासघात का परिणाम था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों नहीं निकलते हैं।

D) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

प्रश्न 81: महाराणा कुंभा की साहित्यिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:*

1. कुंभा ने जयदेव की 'गीत गोविंद' पर 'रसिक प्रिया' नामक टीका लिखी थी।
2. 'संगीत राज' कुंभा द्वारा रचित संगीत शास्त्र का सबसे बड़ा ग्रंथ है, जो पाँच कोशों में विभाजित है।
3. कुंभा ने चित्तौड़गढ़ में स्थित विजय स्तंभ का निर्माण मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी पर विजय की स्मृति में करवाया था।

सही विकल्प का चयन कीजिए:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 82: महाराणा प्रताप और मुगल संघर्ष के दौरान अपनाई गई युद्ध नीतियों के संदर्भ में सत्य कथनों का चयन कीजिए:*

1. प्रताप ने हल्दीघाटी के युद्ध के बाद छापामार युद्ध पद्धति (Guerrilla Warfare) को मुख्य रक्षात्मक रणनीति के रूप में अपनाया।
2. दिवेर के युद्ध (1582) में प्रताप ने मुगल चौकियों पर आक्रमण कर मेवाड़ के एक बड़े हिस्से को पुनः विजित किया।
3. प्रताप ने अपनी नई राजधानी चावण्ड को चित्रकला और स्थापत्य के केंद्र के रूप में विकसित किया।

सही विकल्प है:

A) केवल 1

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 2

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 83: राणा सांगा (संग्राम सिंह) द्वारा खानवा के युद्ध (1527) से पूर्व अपनाई गई 'पाती पेरवण' परंपरा का मुख्य उद्देश्य क्या था?*

1. राजस्थान के सभी राजपूत शासकों को विदेशी आक्रांता बाबर के विरुद्ध एक झंडे के नीचे एकत्रित करना।
2. मारवाड़ के राव मालदेव और आमेर के पृथ्वीराज जैसे शासकों को सैन्य सहायता हेतु आमंत्रित करना।
3. दिल्ली सल्तनत के सुल्तान इब्राहिम लोदी के साथ गठबंधन कर बाबर को भारत से बाहर निकालना।

सही विकल्प चुनें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 84: मेवाड़ के सिसोदिया शासकों के स्थापत्य कौशल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों का विश्लेषण कीजिए:*

1. राणा कुंभा को 'मेवाड़ के 84 दुर्गों में से 32 दुर्गों का निर्माता' होने का गौरव प्राप्त है।
2. कुंभलगढ़ दुर्ग की प्राचीर को 'भारत की महान दीवार' कहा जाता है, जिसकी चौड़ाई पर चार घुड़सवार एक साथ चल सकते हैं।
3. विजय स्तंभ को 'भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोश' और 'हिंदू देवी-देवताओं का अजायबघर' कहा जाता है।

सही कूट पहचानिए:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 85: कथन (A): राव जोधा ने 1459 ई. में जोधपुर नगर बसाया और चिड़ियाटूँक पहाड़ी पर मेहरानगढ़ दुर्ग का निर्माण करवाया।*

wincompete

कारण (R): राव जोधा ने अपनी सुरक्षा और राज्य विस्तार के लिए मारवाड़ और मेवाड़ की सीमाओं पर आंवल-बांवल की संधि की थी।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 86: कथन (A): राव मालदेव को 'हसमत वाला राजा' और '52 युद्धों का विजेता' कहा जाता है।*

कारण (R): मालदेव ने गिरी-सुमेल के युद्ध (1544) में शेरशाह सूरी को सीधे युद्ध क्षेत्र में पराजित कर दिल्ली की सत्ता को चुनौती दी थी।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 87: कथन (A): राव चंद्रसेन को 'मारवाड़ का प्रताप' और 'प्रताप का अग्रगामी' कहा जाता है।*

कारण (R): चंद्रसेन ने महाराणा प्रताप से पूर्व ही मुगलों की अधीनता स्वीकार न करने और पहाड़ों में रहकर प्रतिरोध करने की नीति अपनाई थी।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 88: कथन (A): महाराजा जसवंत सिंह I की मृत्यु पर औरंगजेब ने कहा था कि "आज कुफ्र का दरवाजा टूट गया।"*

कारण (R): जसवंत सिंह मुगल साम्राज्य के कट्टर विरोधी थे और उन्होंने कभी भी मुगल सैन्य अभियानों में भाग नहीं लिया था।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 89: कथन: सवाई जयसिंह II ने दिल्ली, जयपुर, उज्जैन, मथुरा और बनारस में पाँच वेधशालाओं (जंतर-मंतर) का निर्माण करवाया था।*

निष्कर्ष 1: सवाई जयसिंह II एक कुशल खगोलशास्त्री (Astronomer) थे जिन्होंने नक्षत्रों की शुद्ध सारणी 'जीज मुहम्मदशाही' तैयार की थी।

निष्कर्ष 2: जयपुर की वेधशाला इन सभी में सबसे बड़ी है और इसे यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 90: कथन: मिर्जा राजा जयसिंह और शिवाजी महाराज के मध्य 1665 ई. में पुरंदर की प्रसिद्ध संधि हुई थी।*

निष्कर्ष 1: मिर्जा राजा जयसिंह एक कुशल कूटनीतिज्ञ थे जिन्होंने अपनी वार्ता कुशलता से शिवाजी को औरंगजेब की अधीनता हेतु विवश किया।

निष्कर्ष 2: इस संधि के परिणामस्वरूप मराठों और मुगलों के बीच स्थाई मित्रता स्थापित हो गई थी।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 91: कथन: आमेर के राजा मानसिंह I ने अकबर के सेनापति के रूप में काबुल, बिहार, बंगाल और उड़ीसा के सैन्य अभियानों का सफल नेतृत्व किया था।*

निष्कर्ष 1: मानसिंह के काल में आमेर और मुगलों के राजनीतिक संबंध प्रगाढ़ हुए जिससे आमेर को उच्च मनसबदारी प्राप्त हुई।

wincompete

निष्कर्ष 2: मानसिंह ने विजित क्षेत्रों से प्राप्त कलाकृतियों और स्थापत्य शैलियों को आमेर के महलों के निर्माण में समाहित किया।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) न तो 1 और न ही 2 निकलता है।

प्रश्न 92: कथन: सवाई जयसिंह II ने 18 नवंबर 1727 को जयपुर नगर की स्थापना की, जिसका वास्तुकार विद्याधर भट्टाचार्य था।*

निष्कर्ष 1: जयपुर नगर की योजना प्राचीन वास्तु ग्रंथों और समकालीन यूरोपीय शहरी डिजाइनों के गहन अध्ययन पर आधारित थी।

निष्कर्ष 2: जयपुर नगर का निर्माण केवल सामरिक सुरक्षा के लिए किया गया था और इसका व्यापारिक महत्व शून्य था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 93: मध्यकालीन राजस्थान की राजस्व व्यवस्था से संबंधित शब्दावली और उनके अर्थ का कौन सा युग्म **असंगत** है?*

A) लाटा - फसल कटने के बाद खलिहान में अनाज का हिस्सा बांटना।

B) कुंता - खड़ी फसल के आधार पर अनाज के हिस्से का अनुमान लगाना।

C) गूगरी - अनाज के बदले नकद रूप में लिया जाने वाला भूमि कर।

D) सायरी - व्यापारिक वस्तुओं पर लगने वाला सीमा शुल्क (चुंगी)।

प्रश्न 94: राजस्थान की जागीरदारी प्रथा के अंतर्गत भूमि श्रेणियों के संदर्भ में कौन सा कथन **असंगत** है?*

A) खालसा भूमि - वह भूमि जो सीधे राजा के नियंत्रण में होती थी और जिसका राजस्व राजकोष में जाता था।

B) शासन (पुण्य-पार्थ) भूमि - वह भूमि जो ब्राह्मणों, चारणों या मंदिरों को दान में दी जाती थी और कर-मुक्त होती थी।

C) भोम भूमि - जागीरदारों द्वारा अपने व्यक्तिगत घरेलू खर्चों के लिए रखी गई निजी भूमि।

D) जागीर भूमि - राजा द्वारा सामंतों को उनकी सैन्य और प्रशासनिक सेवाओं के बदले दी गई भूमि।

प्रश्न 95: सामंती करों और दायित्वों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प **असंगत** है?*

A) रेख - जागीर की अनुमानित वार्षिक आय, जिसका उल्लेख पट्टे में होता था।

B) चाकरी - सामंत द्वारा राजा की सेवा में निश्चित संख्या में घुड़सवार सेना भेजना।

C) तलवार बंधाई - नए सामंत के गद्दी पर बैठने पर राजा को दिया जाने वाला उत्तराधिकार शुल्क।

D) जभाणी - सामंतों द्वारा राजा की मृत्यु पर दिया जाने वाला विशेष शोक कर।

प्रश्न 96: किसानों पर आरोपित 'लाग-बाग' (विविध करों) के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है?*

A) खड़्ड़ा - पशुओं के चारे और चराई पर लगने वाला कर।

B) सिंघोटी - मवेशियों के क्रय-विक्रय पर लिया जाने वाला कर।

C) त्याग - विवाह के अवसर पर चारणों और भाटों को किसानों द्वारा दिया जाने वाला दान।

D) इजारा - राजकीय उत्सवों के दौरान प्रजा द्वारा राजा को भेंट किया जाने वाला उपहार।

प्रश्न 97: मध्यकालीन राजस्थान की केंद्रीय प्रशासनिक व्यवस्था के अधिकारियों के संदर्भ में विचार करें:*

1. प्रधान (दीवान) - नागरिक और सैन्य प्रशासन का राजा के बाद सर्वोच्च अधिकारी।
2. बख्शी - सेना विभाग का प्रमुख जो सैनिकों के वेतन और रसद की देखरेख करता था।
3. खानसामा - राजपरिवार की घरेलू आवश्यकताओं और भंडार गृह का प्रभारी।

सही कूट चुनें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

wincompete

प्रश्न 98: कथन (A): राजस्थान की सामंती व्यवस्था 'रक्त संबंध' और 'कुलीय भावना' पर आधारित थी।*

कारण (R): राजा को अपने सामंतों का स्वामी न मानकर 'समान श्रेणी के लोगों में प्रथम' (First among equals) माना जाता था।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 99: कथन: मध्यकालीन राजस्थान में राज्य को 'परगना' में विभाजित किया गया था, जिसका मुख्य अधिकारी 'हाकिम' होता था।*

निष्कर्ष 1: हाकिम के पास अपने परगने के प्रशासन, राजस्व और न्याय व्यवस्था की संयुक्त शक्तियाँ होती थीं।

निष्कर्ष 2: परगना शासन का मुख्य उद्देश्य केंद्र (राजधानी) और गाँवों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करना था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 100: राजस्थान की मध्यकालीन प्रशासनिक और राजस्व व्यवस्था की विशेषताओं के संदर्भ में कौन सा कथन **असंगत** है?*

A) जैसलमेर रियासत में 'तलवार बंधाई' (उत्तराधिकार शुल्क) नहीं लिया जाता था।

B) बिजोलिया किसान आंदोलन का मुख्य कारण रियासत द्वारा आरोपित 84 प्रकार की 'लाग-बाग' थीं।

C) 'इजारा' पद्धति का अर्थ भू-राजस्व वसूली का ठेका निजी व्यक्तियों को देना था।

D) 'पट्टा रेख' से तात्पर्य उस वास्तविक लगान से था जो किसान हर वर्ष राजा को चुकाता था।

wincompete

---

wincompete